20

प्रेरणादायक

भाषण

HindiPdfBook.Com

आप इस दुनिया में क्यों आये हैं?

दोस्तों! क्या आपने कभी सोचा है कि आप इस दुनिया में क्यों आये हैं?

इस दुनिया में आने का आपका कोई उद्देश्य (Aim) है या फिर ऐसे ही बिना किसी वजह के इस धरती पर पटक दिए गए हैं?

यह बात तो सत्य है कि इस दुनिया में कोई भी घटना बिना किसी वजह के नहीं होती, जो भी होता है उसका कोई न कोई उद्देश्य जरूर होता है।

जब प्रत्येक घटना का कोई न कोई उद्देश्य जरूर होता है तो आपके इस दुनिया में आने के पीछे भी कोई न कोई उद्देश्य जरूर होगा।

क्या आपने अपने इस उद्देश्य के बारे में कभी सोचा है?

क्या आप जानना चाहते हैं कि आप इस दुनिया में क्या करने आये हैं?

यदि आप जानना चाहते हैं तो आइये और मेरे शब्दों के साथ आगे बढ़िए।

इस दुनिया का प्रत्येक व्यक्ति केवल एक ही उद्देश्य और अधिकार (Right) के साथ पैदा होता है और वह है– सफलता प्राप्त करना। (Achieve success)

जी हाँ! हम सभी इस जगत में सफलता प्राप्त करने ही तो आये हैं।

सफलता प्राप्त करना हमारा उद्देश्य (Aim) है।

सफलता प्राप्त करना हमारा अधिकार (Right) है।

और सफलता प्राप्त करना हमारा कर्तव्य (Duty) भी है।

लेकिन अब आप यह सोचेंगे कि किस क्षेत्र में हमें सफलता मिल सकती है?

हम ऐसा क्या करें जिससे हमें सफलता मिल सके?

क्या ऐसा कोई मंत्र है जो हमें सफलता दिला सके?

दोस्तों! सफलता वह मंजिल नहीं है जिसे पाने के लिए हमारे आसपास के लोग हमसे कहते हैं और अपनी मर्जी को हम पर थोपते हैं बल्कि सफलता वह मंजिल (Target) है जिसे हम खुद पाना चाहते हैं और हम वह पाना चाहते हैं जो हमें अच्छा लगता है। हम उसे पाना चाहते हैं जिसमे हमें सुखद अनुभव होता है।

सच है दोस्तों! हमारी मंजिल (Goal) वही है जिसे प्राप्त करने में हमें आनंद (Happiness) का अनुभव हो। अतः आप अपनी मंजिल को किसी दूसरे के बताने से नहीं बल्कि खुद चुनिए।

फिर चाहे कोई भी और कितना भी आपका विरोध कर ले, कोई भी परेशानी पैदा कर ले, आप अपनी मंजिल तक पहुंच कर ही रहेंगे तब आपको कोई रोक नहीं सकता।

दोस्तों! एक बार, केवल एक बार अपनी मनपसंद मंजिल (Favorite goal) की ओर कदम बढ़ा कर तो देखिए!

एक बार अपने दिल की बात को सुनकर तो देखिए!

क्या कहता है आपका दिल?

शायद आपका दिल गाना गाने को कहता है लेकिन वास्तव में आप अपनी लाइफ में किसी के कहने पर इंजीनियरिंग की तैयारी कर रहे हैं।

शायद आपका मन फुटबाल खेलने को कहता है लेकिन आप अपनी फैमिली के कहने पर शतरंज खेल रहे हैं।

और जब आप अपने मनपसंद कार्य (Favorite work) को नहीं कर रहे हैं तो सफलता कैसे मिलेगी?

मिल ही नहीं सकती!

और अगर बिना मन की सफलता मिल भी गई तो जिंदगी भर ख़ुशी नहीं मिल पायेगी।

यदि सफलता को प्राप्त करना है तो अपने मन के सागर में गोता लगाओ यारों! और देखो कि आप अपनी जिंदगी में कौन सा रंग भरना चाहते हैं!

देखो कि आप अपनेआप को किस रूप में देखना चाहते हैं!

अपनी इच्छा (Desire) को और अपने सपने (Dream) को अपने मन के आईने के सामने रख कर तो देखो! बिलकुल साफ़ नजर आ जायेगा कि आप क्या चाहते हैं। आईना कभी झूठ नहीं बोलता और न ही कोई शंका (Doubt) पैदा करता है। जो जैसा है बिलकुल वैसा ही दिखाता है।

अपने उद्देश्य को जानो और चल दो अपनी मंजिल की ओर, जहाँ सफलता (Success) आपका इंतजार कर रही है।

आपको सफलता को प्राप्त करने के लिए समझौता (Compromise) नहीं करना है,

दूसरों की इच्छाओं को अपने ऊपर नहीं थोपना है!

आपको तो वह रास्ता चुनना है जो आपको आपकी मनपसंद मंजिल की ओर ले जाए।

आपको वहां जाना है जिसके लिए आप इस दुनिया (World) में आये हैं!

कमल के पापा कहते हैं कि हमारा बेटा तो बिगड़ गया है! पूरे दिन मोबाइल और लैपटॉप में लगा रहता है! लेपटॉप से ही शादी करा दो इसकी!

लेकिन क्या आप जानते है कि बहुत से लोग मोबाइल और लेपटॉप के जरिये ही लाखों रुपये हर महीने कमा रहे हैं।

अगर आपका मन भी ऐसी चीजों में लगता है तो आप इसे अपना कैरियर (Career) बना सकते हैं।

सोचिये अगर सचिन तेंदुलकर के पिता उसे सरकारी नौकरी करने की कहते तो क्या आज वह इतना नाम और पैसा कमा पाता?

शायद नहीं!

वह आज सफलता के जिस शिखर पर है तो उसका एक ही कारण है कि उसने वह किया जो वह खुद करना चाहता था।

उसने अपने मनपसंद कार्य को अपना कैरियर चुना।

अगर वह ऐसा नहीं करता तो क्या वह आज भारत का गौरव कहा जाता?

क्या उसे भारत रत्न मिल पाता?

शायद नहीं!

अतः यदि सफलता को प्राप्त करना है तो उठो, जागो और चल दो अपनी मनपसंद मंजिल की ओर और तब तक मत रुको जब तक सफलता प्राप्त न हो जाये।

आप अपने खुद के सपने को हकीकत बना दो, न कि दूसरों के थोपे गए सपनों को हकीकत बनाने की कोशिश करो।

क्या आप जानते हैं कि एक सफल व एक असफल व्यक्ति (Successful and failure person) में क्या सबसे बड़ी समानता होती है और क्या सबसे बड़ी असमानता होती है?

दोनों में सबसे बड़ी समानता यह होती है कि दोनों ही सपने देखते हैं।

लेकिन सबसे बड़ी असमानता यह होती है कि सफल व्यक्ति तो खुद के सपनों को हकीकत में बदलने के लिए सफलता की ओर कदम बढ़ा देता है जबकि एक असफल व्यक्ति दूसरों द्वारा उस पर थोपे गए सपनों के बोझ को लेकर उन्हें हकीकत में बदलने के लिए कोशिश करता है।

अतः दोस्तों! यह बात समझ लीजिए कि अपने मनपसंद सपनों (Favorite dream) को पूरा करने के लिए कदम बढ़ाने से ही Success हासिल होती है और तभी हमारा इस दुनिया में आना सफल हो पाता है।

अपने जीवन के उद्देश्य (The purpose of life) को पहचानों और सफलता प्राप्त करने के अपने अधिकार को प्राप्त कर लो।

“हजारों लोग आये और हजारों लोग गए इस दुनिया से,

कुछ अपना नाम अमर कर गए और कुछ खाली हाथ चले गए।”

READ MORE HINDI MOTIVATIONAL BOOKS HERE

कैसे जलाये रखें अपने अन्दर की चिंगारी को

Chetan Bhagat

Good Morning everyone, मुझे यहाँ बोलने का मौका देने के लिए आप सभी का धन्यवाद. ये दिन आपके बारे में है. आप, जो कि अपने घर के आराम और कुछ cases में दिक्कतों को छोड़ के इस college में आए हैं ताकि ज़िन्दगी में आप कुछ बन सकें. मैं sure हूँ कि आप excited हैं. ज़िन्दगी में ऐसे कुछ ही दिन होते हैं जब इंसान सच -मुच बहुत खुश होता है. College का पहला दिन उन्ही में से एक है.

जब आज आप तैयार हो रहे थे, आपके पेट में हलचल सी हुई होगी. Auditorium कैसा होगा, teachers कैसे होंगे, मेरे नए classmates कौन होंगे —इतना कुछ है curious होने के लिए… मैं इसे excitement कहता हूँ, आपके अन्दर कि चिंगारी (spark) जो आपको एकदम जिंदादिल feel कराती है. आज मैं आपसे इस चिंगारी को जलाये रखने के बारे में बात करने आया हूँ. या दुसरे शब्दों में-

हम अगर हमेशा नहीं तो ज्यादा से ज्यादा समय कैसे खुश रह सकते हैं?

इस चिंगारी कि शुरआत कहाँ से होती है?

मुझे लगता है हम इसके साथ पैदा होते हैं. मेरे 3 साल के जुड़वाँ बच्चों में million sparks हैं. वो Spider-man का एक छोटा सा खिलौना देख के बिस्तर से कूद पड़ते हैं. Park में झूला झूल के वो thrilled हो जाते हैं. पापा से एक कहानी सुनके उनमे उत्तेजना भर जाती है. अपना Birthday आने के महीनो पहले से वो उलटी गिनती करना शुरू कर देते हैं कि उस दिन cake काटने को मिलेगा.

मैं आप जैसे students को देखता हूँ और मुझे आपके अन्दर भी कुछ spark नज़र आता है. पर जब मैं और बड़े लोगों को देखता हूँ तो वो मुश्किल से ही नज़र आता है. इसका मतलब, जैसे -जैसे हमारी उम्र बढती है, spark कम होते जाते हैं. ऐसे लोग जिनमे ये चिंगारी बिलकुल ही ख़तम हो जाती है वो मायूस, लक्ष्यरहित और कड़वे हो जाते हैं. Jab We met के पहले half की करीना और दुसरे half की Kareena याद है ना? चिंगारी बुझ जाने पे यही होता है.

तो भला इस Spark को बचाएँ कैसे?

Spark को दिए की लौ की तरह imagine कीजिये. सबसे पहले उसे nurture करने की ज़रुरत है —उसे लगातार इंधन देने की ज़रुरत है. दूसरा, उसे आंधी-तूफ़ान से बचाने की ज़रुरत है.

Nurture करने के लिए, हमेशा लक्ष्य बनाएं .यह इंसान कि प्रवित्ति होती है कि वह कोशिश करे, सुधार लाये और जो best achieve कर सकता है उसे achieve करे. दरअसल इसी को Success कहते हैं. यह वो है जो आपके लिए संभव है. ये कोई बाहरी माप -दंड नहीं है – जैसे company द्वारा दिया गया Package, कोई car या कोई घर.

हममे से ज्यदातर लोग middle-class family से हैं. हमारे लिए, भौतिक सुख -सुविधाएं सफलता की सूचक होती हैं, और सही भी है. जब आप बड़े हो जाते हैं और पैसा रोज़ -मर्रा कि ज़रूरतों को पूरा करने के लिए ज़रूरी हो जाता है, तो ऐसे में financial freedom होना एक बड़ी achievement है.

लेकिन यह ज़िन्दगी का मकसद नहीं है. अगर ऐसा होता तो Mr. Ambani काम पर नहीं जाते. Shah Rukh Khan घर रहते और और -ज्यादा dance नहीं करते. Steve Jobs और भी अच्छा iPhone बनाने के लिए मेहनत नहीं करते, क्योंकि Pixar बेच कर already उन्हें कई billion dollars मिल चुके हैं. वो ऐसा क्यों करते हैं? ऐसा क्या है जो हर रोज़ उन्हें काम पर ले जाता है?

वो ऐसा इसलिए करते हैं क्योंकि ये उन्हें ख़ुशी देता है. वो ऐसा इसलिए करते हैं क्योंकि ये उन्हें जिंदादिली का एहसास करता है. अपने मौजूदा स्तर में सुधार लाना आपको एक अच्छा एहसास दिलाता है. अगर आप मेहनत से पढ़ें तो आप अपनी rank सुधार सकते हैं. अगर आप लोगों से interact करने का प्रयत्न करें तो आप interview में अच्छा करेंगे. अगर आप practice करें तो आपके cricket में सुधार आएगा. शायद आप ये भी जानते हों कि आप अभी Tendulkar नहीं बन सकते, लेकिन आप अगले स्तर पर जा सकते हैं. अगले level पे जाने के लिए प्रयास करना ज़रूरी है.

प्रकृति ने हमें अनेकों genes के संयोग और विभिन्न परिस्थितियों के हिसाब से design किया है. खुश रहने के लिए हमें इसे accept करना होगा, और प्रकृति कि इस design का अधिक से अधिक लाभ उठाना होगा. ऐसा करने में Goals आपकी मदद करेंगे.

READ MORE HINDI MOTIVATIONAL BOOKS HERE

अपने लिए सिर्फ career या academic goals ही ना बनाएं. ऐसे goals बनाएं जो आपको एक balanced और successful life दे. अपने break-up के दिन promotion पाने का कोई मतलब नहीं है. कार चलाने में कोई मज़ा नहीं है अगर आपके पीठ में दर्द हो.दिमाग tension से भरा हो तो भला shopping करने में क्या ख़ुशी होगी?

आपने ज़रूर कुछ quotes पढ़े होंगे — ज़िन्दगी एक कठिन race है, ये एक marathon है या कुछ और. नहीं ऐसा नहीं है, जो मैंने आज तक देखा है-

ज़िन्दगी nursery schools में होने वाली उस race की तरह है जिसमे आप चम्मच में रखे मार्बल को अपने मुंह में दबा कर दौड़ते हैं. अगर मार्बल गिर जाये तो दौड़ में first आने का कोई अर्थ नहीं है.

ऐसा ही ज़िन्दगी के साथ है जहाँ सेहत और रिश्ते उस मार्बल का प्रतीक हैं. आपका प्रयास तभी सार्थक है जब तक वो आपके जीवन में सामंजस्य लाता है.नहीं तो, आप भले ही सफल हो जायें, लेकिन ये चिंगारी, ये excited और जिंदा होने की feeling धीरे – धीरे मरने लगेगी!

Spark को nurture करने के बारे में एक आखिरी चीज —ज़िन्दगी को संजीदगी से ना लें ….don't take life seriously. मेरे एक योगा teacher class के दौरान students को हंसाते थे. एक student ने पूछा कि क्या इन Jokes कि वजह से योगा practice का समय व्यर्थ नहीं होता? तब teacher ने कहा – "Don't be serious be sincere."

तबसे इस Quote ने मेरा काम define किया है. चाहे वो मेरा लेखन हो, मेरी नौकरी हो, मेरे रिश्ते हों या कोई और लक्ष्य. मुझे अपनी writings पर रोज़ हज़ारों लोगों के opinions मिलते हैं. कहीं खूब प्रशंशा होती है कहीं खूब आलोचना. अगर मैं इन सबको seriously ले लूं, तो लिखूंगा कैसे? या फिर, जीऊंगा कैसे?

ज़िन्दगी गंभीरता से लेने के लिए नहीं है, हम सब यहाँ temporary हैं. हम सब एक pre-paid card की तरह हैं जिसकी limited validity है.

अगर हम भाग्यशाली हैं तो शयद हम अगले पचास साल और जी लें. और 50 साल यानि सिर्फ 2500 weekends.क्या हमें सचमुच अपने आप को काम में डुबो देना चाहिए? कुछ classes bunk करना, कुछ papers में कम score

करना, कुछ interviews ना निकाल पाना, काम से छुट्टी लेना, प्यार में पड़ना, spouse से छोटे -मोटे झगड़े होना…सब ठीक है…हम सभी इंसान हैं, programmed devices नहीं!

मैंने आपसे तीन चीजें बतायीं – reasonable goals, balance और ज़िन्दगी को बहुत seriously नहीं लेना – जो spark को nurture करेंगी.

लेकिन ज़िन्दगी में चार बड़े तूफ़ान आपके दिए को बुझाने की कोशिश करेंगे. इनसे बचने बहुत ज़रूरी है. ये हैं निराशा (disappointment),कुंठा (frustration), अन्याय (unfairness) और जीवन में कोई उद्देश्य ना होना (loneliness of purpose.)

निराशा तब होगी जब आपके प्रयत्न आपको मनचाहा result ना दे पाएं. जब चीजें आपके प्लान के मुताबिक ना हों या जब आप असफल हो जायें. Failure को handle करना बहुत कठिन है, लेकिन जो कर ले जाता है वो और भी मजबूत हो कर निकलता है. इस failure से मुझे क्या सीख मिली? इस प्रश्न को खुद से पूछना चाहिए. आप बहुत असहाय feel करेंगे, आप सबकुछ छोड़ देना चाहेंगे जैसा कि मैंने चाहा था, जब मेरी पहली book को 9 publishers ने reject कर दिया था. कुछ IITians low-grades की वजह से खुद को ख़तम कर लेते हैं, ये कितनी बड़ी बेवकूफी है? पर इस बात को समझा जा सकता है कि failure आपको किस हद तक hurt कर सकता है.

पर ये ज़िन्दगी है. अगर चुनौतियों से हमेशा पार पाया जा सकता तो, तो चुनौतियाँ चुनौतियाँ नहीं रह जातीं. और याद रखिये –– अगर आप किसी चीज में fail हो रहे हैं,तो इसका मतलब आप अपनी सीमा या क्षमता तक पहुँच रहे हैं. और यहीं आप होना चाहते हैं.

Disappointment का भाई है frustration, दूसरा तूफ़ान. क्या आप कभी frustrate हुए हैं? ये तब होता है जब चीजें अटक जाती हैं. यह भारत में विशेष रूप से प्रासंगिक है. ट्राफिक जाम से से लेकर अपने लायक job पाने तक. कभी-कभी चीजें इतना वक़्त लेती हैं कि आपको पता नहीं चलता कि आपने अपने लिए सही लक्ष्य निर्धारित किये हैं.

Books लिखने के बाद, मैंने bollywood के लिखने का लक्ष्य बनाया, मुझे लगा उन्हें writers की ज़रुरत है. मुझे लोग बहुत भाग्यशाली मानते हैं पर मुझे अपनी पहली movie release के करीब पहुँचने में पांच साल लग गए.

Frustration excitement को ख़त्म करता है, और आपकी उर्जा को नकारात्मकता में बदल देता है, और आपको कडवा बना देता है. मैं इससे कैसे deal करता हूँ?

लगने वाले समय का realistic अनुमान लगा के.. भले ही movie देखने में कम समय लगता हो पर उसे बनाने में काफी समय लगता है, end-result के बजाय उस result तक पहुँचने के प्रोसेस को एन्जॉय करना, मैं कम से कम script-writing तो सीख रहा था, और बतौर एक side-plan मेरे पास अपनी तीसरी किताब लिखने को भी थी और इसके आलावा दोस्त, खाना-पीना, घूमना ये सब कुछ frustration से पार पाने में मदद करती हैं.

याद रखिये, किसी भी चीज को seriously नहीं लेना है. Frustration, कहीं ना कहीं एक इशारा है कि आप चीजों को बहुत seriously ले रहे हैं.

Unfairness (अन्याय) – इससे deal करना सबसे मुश्किल है, लेकिन दुर्भाग्य से अपने देश में ऐसे ही काम होता है. जिनके connections होते हैं, बड़े बाप होते हैं, खूबसूरत चेहरे होते हैं,वंशावली (pedigree) होती है, उन्हें सिर्फ Bollywood में ही नहीं बल्कि हर जगह आसानी होती है. और कभी -कभी यह महज luck की बात होती है.

India में बहुत कम opportunities हैं, इसलिए कुछ होने के लिए सारे ग्रह-नक्षत्रों को सही स्थिति में होना होगा. Short-term में मिलने वाली उपलब्धियां भले ही आपकी merit और hard –work के हिसाब से ना हों पर long-term में ये ज़रूर उस हिसाब से होंगी, अंततः चीजें work-out करती हैं. पर इस बात को समझिये कि कुछ लोग आपसे lucky होंगे.

दरअसल अगर Indian standards के हिसाब से देखा जाये तो आपको College में पढने का अवसर मिलना, और आपके अन्दर इस भाषण को English में समझने की काबिलियत होना आपको काफी lucky बनाता है. हमारे पास जो है हमें उसके लिए एहसानमंद होना चाहिए, और जो नहीं है उसे accept करने की हमारे अन्दर शक्ति होनी चाहिए.

मुझे अपने readers से इतना प्यार मिलता है कि दुसरे writers उसके बारे में सोच भी नहीं सकते. पर मुझे साहित्यिक प्रशंशा नहीं मिलती है. मैं Aishwarya Rai की तरह नहीं दीखता हूँ पर मैं समझता हूँ कि मेरे दोनों बेटे उनसे ज्यादा खूबसूरत हैं. It is OK. Unfairness को अपने अन्दर कि चिंगारी को बुझाने मत दीजिये.

और आखिरी चीज जो आपके spark को ख़तम कर सकती है वो है Isolation(औरों से अलग होने की स्थिति).

आप जैसे जैसे बड़े होंगे आपको realize होगा कि आप unique हैं. जब आप छोटे होते हैं तो सभी को ice-cream और spider-man अच्छे लगते हैं. जब आप college में जाते हैं तो भी आप बहुत हद तक अपने बाकी दोस्तों की तरह ही होते हैं. लेकिन दस साल बाद आपको पता लगता है कि आप unique हैं. आप जो चाहते हैं, आप जिस चीज में विश्वास राखते हैं, वो आपके सबसे करीबी लोगों से भी अलग हो सकती है. इस वजह से conflict हो सकती है क्योंकि आपके goals दूसरों से match नहीं करते. और आप शायद उनमे से कुछ को drop कर दें.

College में Basketball के कप्तान रह चुके, दूसरा बच्चा होते -होते ये खेल खेलना छोड़ देते हैं. जो चीज उन्हें इतनी पसंद थी वो उसे छोड़ देते हैं. ऐसा वो अपनी family के लिए करते हैं. पर ऐसा करने में Spark ख़तम हो जाता है. कभी भी ऐसा compromise ना करें. पहले खुद को प्यार करें फिर दूसरों को.

मैंने आपको चारों thunderstorms – disappointment, frustration, unfairness and isolation के बारे में बताया. आप इनको avoid नहीं कर सकते, मानसून की तरह ये भी आपके जीवन में बार -बार आते रहेंगे. आपको बस अपना raincoat तैयार रखना है ताकि आपके अन्दर कि चिंगारी बुझने ना पाए.

मैं एक बार फिर आपका आपके जीवन के सबसे अच्छे समय में स्वागत करता हूँ. अगर कोई मुझे समय में वापस जाने का option दे तो निश्चित रूप से मैं college वापस जाना चाहूँगा. मैं ये आशा करता हूँ कि दस साल बाद भी, आपकी आँखों में वही चमक होगी जो आज है, I hope कि आप अपने अन्दर की चिंगारी को सिर्फ college में ही नहीं बल्कि अगले 2500 weekends तक ज़िन्दा रखेंगे. और मैं आशा करता हूँ कि सिर्फ आप ही नहीं बल्कि पूरा देश इस चिंगारी को ज़िन्दा रखेगा, क्योंकि इतिहास में किसी भी और पल से ज्यादा अब इसकी ज़रुरत है.

और ये कहना कितना अच्छा लगेगा कि —मैं Billion Sparks की भूमि से वास्ता रखता हूँ.

Thank You.

READ MORE HINDI MOTIVATIONAL BOOKS HERE

I have a dream

मार्टिन लूथर किंग

मैं खुश हूँ कि मैं आज ऐसे मौके पे आपके साथ शामिल हूँ जो इस देश के इतिहास में स्वतंत्रता के लिए किये गए सबसे बड़े प्रदर्शन के रूप में जाना जायेगा।

सौ साल पहले, एक महान अमेरिकी, जिनकी प्रतीकात्मक छाया में हम सभी खड़े हैं, ने एक मुक्ति उद्घोषणा (Emancipation Proclamation) पे हस्ताक्षर किये थे। इस महत्त्वपूर्ण निर्णय ने अन्याय सह रहे लाखों गुलाम नीग्रोज़ के मन में उम्मीद की एक किरण जगा दी। यह ख़ुशी उनके लिए लम्बे समय तक अन्धकार की कैद में रहने के बाद दिन के उजाले में जाने के समान था।

परन्तु आज सौ वर्षों बाद भी, नीग्रोज़ स्वतंत्र नहीं हैं।सौ साल बाद भी, एक नीग्रो की ज़िन्दगी अलगाव की हथकड़ी और भेद-भाव की जंजीरों से जकड़ी हुई हैं। सौ साल बाद भी नीग्रो समृद्धि के विशाल समुन्द्र के बीच गरीबी के एक द्वीप पे रहता है। सौ साल बाद भी नीग्रो, अमेरिकी समाज के कोनों में सड़ रहा है और अपने देश में ही खुद को निर्वासित पाता है। इसीलिए आज हम सभी यहाँ इस शर्मनाक इस्थिति को दर्शाने के लिए इकठ्ठा हैं।

एक मायने में हम अपने देश की राजधानी में एक चेक कैश करने आये हैं। जब हमारे गणतंत्र के आर्किटेक्ट संविधान और स्वतंत्रता की घोषणा बड़े ही भव्य शब्दों में लिख रहे थे, तब दरअसल वे एक वचनपत्र पर हस्ताक्षर कर रहे थे जिसका हर एक अमेरिकी वारिस होने वाला था। यह पत्र एक वचन था कि सभी व्यक्ति, हाँ सभी व्यक्ति चाहे काले हों या गोरे, सभी को जीवन, स्वाधीनता और अपनी प्रसन्नता के लिए अग्रसर रहने का अधिकार होगा।

आज यह स्पष्ट है कि अमेरिका अपने अश्वेत नागरिकों से यह वचन निभाने में चूक चुका है। इस पवित्र दायित्व का सम्मान करने के बजाय, अमेरिका ने नीग्रो लोगों को एक अनुपयुक्त चेक दिया है, एक ऐसा चेक जिसपर “अपर्याप्त कोष” लिखकर वापस कर दिया गया है। लेकिन हम यह मानने से इंकार करते हैं कि न्याय का बैंक बैंकरप्पट हो चुका है। हम यह मानने से इनकार करते हैं कि इस देश में अवसर की महान तिजोरी में ‘अपर्याप्त कोष’ है। इसलिए हम इस चेक को कैश कराने आये हैं-एक ऐसा चेक जो मांगे जाने पर हमें धनोपार्जन की आजादी और न्याय की सुरक्षा देगा।

हम इस पवित्र स्थान पर इसलिए भी आये हैं कि हम अमेरिका को याद दिला सकें कि इसे तत्काल करने की सख्त आवश्यकता है। अब और शांत रहने या फिर खुद को दिलासा देने का वक़्त नहीं है। अब लोकतंत्र के दिए वचन को निभाने का वक़्त है। अब वक़्त है अँधेरी और निर्जन घटी से निकलकर नस्लीय न्याय (racial justice) के प्रकाशित मार्ग पे चलने का। अब वक़्त है अपने देश को नस्लीय अन्याय के दलदल से निकल कर भाई-चारे की ठोस चट्टान खड़ा करने का। अब वक़्त है नस्लीय न्याय को प्रभु की सभी संतानों के लिए वास्तविक बनाने का।

इस बात की तत्काल अनदेखी करना राष्ट्र के लिए घातक सिद्ध होगा। निग्रोज के वैध असंतोष की गर्मी तब तक ख़त्म नहीं होगी जब तक स्वतंत्रता और समानता की ऋतु नहीं आ जाती। उन्नीस सौ तिरसठ एक अंत नहीं बल्कि एक आरम्भ है। जो ये आशा रखते हैं कि नीग्रो अपना क्रोध दिखाने के बाद फिर शांत हो जायेंगे देश फिर पुराने ढर्रे पे चलने लगेगा मनो कुछ हुआ ही नहीं, उन्हें एक असभ्य जाग्रति का सामना करना पड़ेगा। अमेरिका में तब तक सुख-शांति नहीं होगी जब तक नीग्रोज़ को नागरिकता का अधिकार नहीं मिल जाता है। विद्रोह का बवंडर तब तक हमारे देश की नीव हिलाता रहेगा जब तक न्याय की सुबह नहीं हो जाती।

लेकिन मैं अपने लोगों, जो न्याय के महल की दहलीज पे खड़े हैं, से ज़रूर कुछ कहना चाहूँगा। अपना उचित स्थान पाने कि प्रक्रिया में हमें कोई गलत काम करने का दोषी नहीं बनना है। हमें अपनी आजादी की प्यास घृणा और कड़वाहट का प्याला पी कर नहीं बुझानी है।

हमें हमेशा अपना संघर्ष अनुशासन और सम्मान के दायरे में रह कर करना होगा। हमें कभी भी अपने रचनात्मक विरोध को शारीरिक हिंसा में नहीं बदलना है। हमें बार-बार खुद को उस स्तर तक ले जाना है, जहाँ हम शारीरिक बल का सामना आत्म बल से कर सकें। आज नीग्रो समुदाय, एक अजीब आतंकवाद से घिरा हुआ है, हमें ऐसा कुछ नहीं करना है कि सभी श्वेत लोग हमपे अविश्वास करने लगें, क्योंकि हमारे कई श्वेत बंधु इस बात को जान चुके हैं की उनका भाग्य हमारे भाग्य से जुड़ा हुआ है, और ऐसा आज उनकी यहाँ पर उपस्थिति से प्रमाणित होता है। वो इस बात को जान चुके हैं कि उनकी स्वतंत्रता हमारी स्वतंत्रता से जुडी हुई है।

हम अकेले नहीं चल सकते। हम जैसे जैसे चलें, इस बात का प्रण करें कि हम हमेशा आगे बढ़ते रहेंगे। हम कभी वापस नहीं मुड़ सकते। कुछ ऐसे लोग भी हैं जो हम नागरिक अधिकारों के भक्तों से पूछ रहे हैं कि, “आखिर हम कब संतुष्ट होंगे?”

हम तब तक संतुष्ट नहीं होंगे जब तक एक नीग्रो, पुलीस की अनकही भयावहता और बर्बरता का शिकार होता रहेगा। हम तब तक नहीं संतुष्ट होंगे जब तक यात्रा से थके हुए हमारे शारीर, राजमार्गों के ढाबों और शहर के होटलों में विश्राम नहीं कर सकते। हम तब तक नहीं संतुष्ट होंगे जब तक एक नीग्रो छोटी सी बस्ती से निकल कर एक बड़ी बस्ती में नहीं चला जाता। हम तब तक संतुष्ट नहीं होंगे जब तक हमारे बच्चों से उनकी पहचान छीनी जाती रहेगी और उनकी गरिमा को,” केवल गोरों के लिए” संकेत लगा कर लूटा जाता रहेगा। हम तब तक संतुष्ट नहीं होंगे जब तक मिस्सीसिप्पी में रहने वाला नीग्रो मतदान नहीं

कर सकता और जब तक न्यू यॉर्क में रहने वाला नीग्रो ये नहीं यकीन करने लगता कि अब उसके पास चुनाव करने के लिए कुछ है ही नहीं। नहीं, नहीं हम संतुष्ट नहीं हैं और हम तब तक संतुष्ट नहीं होंगे जब तक न्याय जल की तरह और धर्म एक तेज धारा की तरह प्रवाहित नहीं होने लगते।

मैं इस बात से अनभिज्ञ नहीं हूँ कि आप में से कुछ लोग बहुत सारे कष्ट सह कर यहाँ आये हैं। आपमें से कुछ तो अभी-अभी जेल से निकल कर आये हैं। कुछ लोग ऐसी जगहों से आये हैं जहां स्वतंत्रता की खोज में उन्हें अत्याचार के थपेड़ों और पुलिस की बर्बरता से पस्त होना पड़ा है। आपको सही ढंग से कष्ट सहने का अनुभव है। इस विश्वास के साथ कि आपकी पीड़ा का फल अवश्य मिलेगा आप अपना काम जारी रखिये।

मिस्सिस्सिप्पी वापस जाइये, अलबामा वापस जाइये, साउथ कैरोलिना वापस जाइये, जोर्जिया वापस जाइये, लूजीआना वापस जाइये, उत्तरीय शहरों की झोपड़ियों और बस्तियों में वापस जाइये, ये जानते हुए कि किसी न किसी तरह यह स्थिति बदल सकती है और बदलेगी आप अपने स्थानों पर वापस जाइये। अब हमें निराशा की घाटी में वापस नहीं जाना है।

मित्रों, आज आपसे मैं ये कहता हूँ, भले ही हम आज-कल कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं, पर फिर भी मेरा एक सपना है (I have a dream), एक ऐसा सपना जिसकी जडें अमेरिकी सपने में निहित है।

मेरा एक सपना है कि एक दिन यह देश ऊपर उठेगा और सही मायने में अपने सिद्धांतों को जी पायेगा।" हम इस सत्य को प्रत्यक्ष मानते हैं कि : सभी इंसान बराबर पैदा हुए हैं"

मेरा एक सपना है कि एक दिन जॉर्जिया के लाल पहाड़ों पे पूर्व गुलामो के पुत्र और पूर्व गुलाम मालिकों के पुत्र भाईचारे की मेज पे एक साथ बैठ सकेंगे।

मेरा एक सपना है कि एक दिन मिस्सिस्सिप्पी राज्य भी, जहाँ अन्याय और अत्याचार की तपिश है, एक आजादी और न्याय के नखलिस्तान में बदल जायेगा।

मेरा एक सपना है कि एक दिन मेरे चारों छोटे बच्चे एक ऐसे देश में रहेंगे जहाँ उनका मूल्याङ्कन उनकी चमड़ी के रंग से नहीं बल्कि उनके चरित्र की ताकत से किया जायेगा।

आज मेरा एक सपना है।

मेरा एक सपना है कि एक दिन अलबामा में, जहाँ भ्रष्ट जातिवाद है, जहाँ राज्यपाल के मुख से बस बीच-बचाव और संघीय कानून को न मानने के शब्द निकलते हैं, एक दिन उसी अलबामा में, छोटे-छोटे अश्वेत लड़के और लड़कियां छोटे-छोटे श्वेत लड़के और लड़कियों का हाँथ भाई-बहिन के सामान थाम सकेंगे।

मेरा एक सपना है।

मेरा एक सपना है कि एक दिन हर एक घाटी ऊँची हो जाएगी, हर एक पहाड़ नीचा हो जायेगा, बेढंगे स्थान सपाट हो जायेंगे, और टेढ़े-मेधे रास्ते सीधे हो जायेंगे, और तब इश्वर की महिमा दिखाई देगी और सभी मनुष्य उसे एक साथ देखेंगे।

यही हमारी आशा है, इसी विश्वास के साथ मैं दक्षिण वापस जाऊंगा। इसी विश्वास से हम निराशा के पर्वत को आशा के पत्थर से काट पाएंगे। इसी विश्वास से हम कलह के कोलाहल को भाई-चारे के मधुर स्वर में बदल पाएंगे। इसी विश्वास से हम एक साथ काम कर पाएंगे, पूजा कर पाएंगे, संघर्ष कर पाएंगे, साथ जेल जा पाएंगे, और ये जानते हुए कि हम एक दिन मुक्त हो जायंगे, हम स्वतंत्रता के लिए साथ- साथ खड़े हो पायंगे।

ये एक ऐसा दिन होगा जब प्रभु की सभी संताने एक नए अर्थ के साथ गा सकेंगी,”My country

’tis of thee, sweet land of liberty, of thee I sing. Land where my fathers died, land of the pilgrim’s pride, from every mountainside, let freedom ring.”

और यदि अमेरिका को एक महान देश बनना है तो इसे सत्य होना ही होगा।

इसलिए न्यू हैम्पशायर के विलक्षण टीलों से आजादी की गूँज होने दीजिये,

न्यू यॉर्क के विशाल पर्वतों से आजादी की गूँज होने दीजिये,

पेंसिलवेनिया के अल्घेनीज़ पहाड़ों से आजादी की गूँज होने दीजिये,

बर्फ से ढकी कोलराडो की चट्टानों से आजादी की गूँज होने दीजिये,

कैलिफोर्निया की घूमओदार ढलानों से आजादी की गूँज होने दीजिये,

यही नहीं, जार्जिया के इस्टोन माउंटेन से आजादी की गूँज होने दीजिये,

टेनेसी के लुकआउट माउंटेन से आजादी की गूँज होने दीजिये,

मिस्सिसिप्पी के टीलों और पहाड़ियों से आजादी की गूँज होने दीजिये,

हर एक पर्वत से से आजादी की गूँज होने दीजिये।

और जब ऐसा होगा, जब हम आजादी की गूँज होने देंगे, जब हर एक गाँव और कसबे से, हर एक राज्य और शहर से आजादी की गूँज होने लगेगी तब हम उस दिन को और जल्द ला सकेंगे जब इश्वर की सभी संताने, श्वेत या अश्वेत, यहूदी या किसी अन्य जाती की, प्रोटेस्टंट या कैथोलिक, सभी हाथ में हाथ डालकर नीग्रोज का आध्यात्मिक गाना गा सकेंगे,""Free at last! free at last! thank God Almighty, we are free at last!""

मार्टिन लूथर किंग

READ MORE HINDI MOTIVATIONAL BOOKS HERE

जीवन सिर्फ पैसा नहीं है

By Ratan Tata

जीवन में केवल अच्छी शैक्षिक योग्यता या अच्छा कैरियर(Career) ही काफी नहीं है। आपका लक्ष्य होना चाहिए कि एक संतुलित और सफल जिंदगी जिया जाये। संतुलित जीवन का मतलब है आपका स्वास्थ्य (Health), लोगों से अच्छे सम्बन्ध और मन की शान्ति; सब कुछ अच्छा होना चाहिए।

केवल पैसा और शौहरत कमाना ही काफी नहीं है , सोचिये जब आपका किसी से ब्रेकअप हो तो उस दिन कंपनी में प्रमोशन कोई मायने नहीं रखता।

जब आपकी पीठ में दर्द हो तो कार ड्राइविंग करने में कोई आनंद नहीं आता, जब आपका दिमाग में टेंशन हो तो शॉपिंग करने में भी कोई मजा नहीं आता।

ये जीवन आपका है इसे इतना भी गंभीर मत बनाइये, हम सब इस दुनियाँ में कुछ पलों के मेहमान हैं तो जीवन का आंनद लीजिये उसे ज्यादा गंभीरता से नहीं लेना चाहिए।

हम लोग इस दुनियां में केवल एक मोबाइल के रिचार्ज की तरह है जो अपनी validity के बाद समाप्त हो जायेगा, हमारी भी validity है। और हम भाग्यशाली रहे तो कम से कम 50 साल तो जिएंगे ही, इन 50 सालों में केवल 2500 weekends होते हैं।

क्या तब भी हमें केवल काम ही काम करने की जरुरत है। जीवन को इतना भी कठिन मत बनाइये कि खुशियाँ आपसे दूर रहें।

सब कुछ ठीक है , कभी कभी काम से छुट्टी लेना , क्लास bunk करना, किसी एग्जाम में कम मार्क्स लाना या छोटे भाई बहनों से कभी झगड़ना , सब ठीक है चलता है।

जब हम जिंदगी के आखिरी पड़ाव पे होंगे तो यही छोटी छोटी बातें हमें हँसाएंगी और कंपनी के प्रमोशन, 24 घंटे लगातार काम ये सब उस दिन कोई मायने नहीं रखेंगे। हम लोग इंसान हैं कोई कम्प्यूटर नहीं, जीवन का मजा लीजिये इसे हमेशा गंभीर नहीं बनाइये ।

READ MORE HINDI MOTIVATIONAL BOOKS HERE

STEVE JOBS CONVOCATION SPEECH AT STANFORD

“Stay Hungry Stay Foolish”

“Thank You ! आज world की सबसे बहेतरीन Universities में से एक के दीक्षांत समारोह में शामिल होने पर मैं खुद को गौरवान्वित महसूस कर रहा हूँ. मैं आपको एक सच बता दूं; मैं कभी किसी college से pass नहीं हुआ; और आज पहली बार मैं किसी college graduation ceremony के इतना करीब पहुंचा हूँ. आज मैं आपको अपने जीवन की तीन कहानियां सुनाना चाहूँगा… ज्यादा कुछ नहीं बस तीन कहानियां.

मेरी पहली कहानी dots connect करने के बारे में है. Reed College में दाखिला लेने के 6 महीने के अंदर ही मैंने पढाई छोड़ दी, पर मैं उसके 18 महीने बाद तक वहाँ किसी तरह आता-जाता रहा. तो सवाल उठता है कि मैंने college क्यों छोड़ा ? Actually, इसकी शुरुआत मेरे जन्म से पहले की है.

मेरी biological mother* एक young, अविवाहित graduate student थी, और वह मुझे किसी और को adoption के लिए देना चाहती थी. पर उनकी एक ख्वाईश थी कि कोई college graduate ही मुझे adopt करे. सबकुछ बिलकुल set था और मैं एक वकील और उसकी wife के द्वारा adopt किया जाने वाला था कि अचानक उस couple ने अपना विचार बदल दिया और decide किया कि उन्हें एक लड़की चाहिए. इसलिए तब आधी-रात को मेरे parents, जो तब waiting list में थे, को call करके बोला गया कि, “हमारे पास एक baby-boy है, क्या आप उसे गोद लेना चाहेंगे?” और उन्होंने झट से हाँ कर दी.

बाद में मेरी biological mother को पता चला कि मेरी माँ college pass नहीं हैं और पिता तो High School पास भी नहीं हैं. इसलिए उन्होंने Adoption Papers sign करने से मना कर दिया; पर कुछ महीनो बाद मेरे होने वाले parents के मुझे college भेजने के आश्वासन के बाद वो मान गयीं. तो मेरी जिंदगी कि शुरुआत कुछ इस तरह हुई और सत्रह साल बाद मैं college गया….पर गलती से मैंने Stanford जितना ही महंगा college चुन लिया. मेरे working-class parents की सारी जमा-पूँजी मेरी पढाई में जाने लगी.

6 महीने बाद मुझे इस पढाई में कोई value नहीं दिखी. मुझे कुछ idea नहीं था कि मैं अपनी जिंदगी में क्या करना चाहता हूँ, और college मुझे किस तरह से इसमें help करेगा..और ऊपर से मैं अपनी parents की जीवन भर कि कमाई खर्च करता जा रहा था. इसलिए मैंने कॉलेज drop-out करने का निर्णय लिए…और सोचा जो होगा अच्छा होगा. उस समय तो

यह सब-कुछ मेरे लिए काफी डरावना था पर जब मैं पीछे मुड़ कर देखता हूँ तो मुझे लगता है ये मेरी जिंदगी का सबसे अच्छा decision था.

जैसे ही मैंने college छोड़ा मेरे ऊपर से ज़रूरी classes करने की बाध्यता खत्म हो गयी . और मैं चुप-चाप सिर्फ अपने interest की classes करने लगा. ये सब कुछ इतना आसान नहीं था. मेरे पास रहने के लिए कोई room नहीं था, इसलिए मुझे दोस्तों के room में फर्श पे सोना पड़ता था. मैं coke की bottle को लौटाने से मिलने वाले पैसों से खाना खता था….मैं हर Sunday 7 मील पैदल चल कर Hare Krishna Temple जाता था, ताकि कम से कम हफ्ते में एक दिन पेट भर कर खाना खा सकूं. यह मुझे काफी अच्छा लगता था.

मैंने अपनी life में जो भी अपनी curiosity और intuition की वजह से किया वह बाद में मेरे लिए priceless साबित हुआ. Let me give an example. उस समय Reed College शायद दुनिया की सबसे अच्छी जगह थी जहाँ Calligraphy* सिखाई जाती थी. पूरे campus में हर एक poster, हर एक label बड़ी खूबसूरती से हांथों से calligraph किया होता था.

चूँकि मैं college से drop-out कर चुका था इसलिए मुझे normal classes करने की कोई ज़रूरत नहीं थी. मैंने तय किया की मैं calligraphy की classes करूँगा और इसे अच्छी तरह से सीखूंगा. मैंने serif और sans-serif type-faces के बारे में सीखा; अलग-अलग letter-combination के बीच में space vary करना और किसी अच्छी typography को क्या चीज अच्छा बनाती है, यह भी सीखा. यह खूबसूरत था, इतना artistic था कि इसे science द्वारा capture नहीं किया जा सकता था, और ये मुझे बेहद अच्छा लगता था.

उस समय ज़रा सी भी उम्मीद नहीं थी कि मैं इन चीजों का use कभी अपनी life में करूँगा. लेकिन जब दस साल बाद हम पहला Macintosh Computer बना रहे थे तब मैंने इसे Mac में design कर दिया. और Mac खूबसूरत typography युक्त दुनिया का पहला computer बन गया. अगर मैंने college से drop-out नहीं किया होता तो Mac मैं कभी multiple-typefaces या proportionally spaced fonts नहीं होते, और चूँकि Windows ने Mac की copy की थी तो शायद किसी भी personal computer में ये चीजें नहीं होतीं. अगर मैंने कभी drop-out ही नहीं किया होता तो मैं कभी calligraphy की वो classes नहीं कर पाता और फिर शायद personal computers में जो fonts होते हैं, वो होते ही नहीं.

Of course, जब मैं college में था तब भविष्य में देख कर इन dots को connect करना impossible था; लेकिन दस साल बाद जब मैं पीछे मुड़ कर देखता हूँ तो सब कुछ बिलकुल साफ़ नज़र आता है. आप कभी भी future में

झांक कर dots connect नहीं कर सकते हैं. आप सिर्फ past देखकर ही dots connect कर सकते हैं; इसलिए आपको यकीन करना होगा की अभी जो हो रहा है वह आगे चल कर किसी न किसी तरह आपके future से connect हो जायेगा. आपको किसी न किसी चीज में विश्ववास करना ही होगा —अपने guts में, अपनी destiny में, अपनी जिंदगी या फिर अपने कर्म में…किसी न किसी चीज मैं विश्वास करना ही होगा…क्योंकि इस बात में believe करना की आगे चल कर dots connect होंगे आपको अपने दिल की आवाज़ सुनने की हिम्मत देगा…तब भी जब आप बिलकुल अलग रास्ते पर चल रहे होंगे…and that will make the difference.

मेरी दूसरी कहानी, love और loss के बारे में है. मैं जिस चीज को चाहता था वह मुझे जल्दी ही मिल गयी. Woz और मैंने अपने parents के गराज से Apple शरू की तब मैं 20 साल का था. हमने बहुत मेहनत की और 10 साल में Apple दो लोगों से बढ़ कर $2 Billion और 4000 लोगों की company हो गयी. हमने अभी एक साल पहले ही अपनी finest creation Macintosh release की, मैं तीस का हो गया था और मुझे company से fire कर दिया गया.

आप अपनी बनायीं हुई company से fire कैसे हो सकते हैं? Well, जैसे-जैसे company grow की, हमने एक ऐसे talented आदमी को hire किया, जिसे मैंने सोचा कि वो मेरे साथ मिलकर company run करेगा, पहले एक साल सब-कुछ ठीक-ठाक चला…. लेकिन फिर company के future vision को लेकर हम दोनों में मतभेद होने लगे. बात Board Of Directors तक पहुँच गयी, और उन लोगों ने उसका साथ दिया, so at thirty, मुझे निकाल दिया गया…publicly निकाल दिया गया. जो मेरी पूरी adult life का focus था वह अब खत्म हो चुका था, और ये बिलकुल ही तबाह करने वाला था. मुझे सचमुच अगले कुछ महीनो तक समझ ही नहीं आया कि मैं क्या करूं.

मुझे महसूस हुआ कि ये सबकुछ इतनी आसानी से accept करके मैंने अपने पहले कि generation के entrepreneurs को नीचा दिखाया है. मैं David Packard* और Bob Noyce* से मिला और उनसे सबकुछ ऐसे हो जाने पर माफ़ी मांगी. मैं एक बहुत बड़ा public failure था, एक बार तो मैंने valley* छोड़ कर जाने की भी सोची. पर धीरे-धीरे मुझे अहसास हुआ कि मैं जो काम करता हूं, उसके लिए मैं अभी भी passionate हूँ. Apple में जो कुछ हुआ उसकी वजह से मेरे passion में ज़रा भी कमी नहीं आई है….मुझे reject कर दिया गया है, पर मैं अभी भी अपने काम से प्यार करता हूँ. इसलिए मैंने एक बार फिर से शुरुआत करने की सोची. मैंने तब नहीं सोचा पर अब मुझे लगता है कि Apple से fire किये जाने से अच्छी चीज मेरे साथ हो ही नहीं सकती थी. Successful होने का बोझ अब beginner होने के हल्केपन में बदल चुका था, मैं एक बार फिर खुद को बहुत free महसूस कर रहा था…इस फ्रीडम की वज़ह से मैं अपनी life की सबसे creative period में जा पाया.

READ MORE HINDI MOTIVATIONAL BOOKS HERE

अगले पांच सालों में मैंने एक company NeXT और एक दूसरी कंपनी Pixar start की और इसी दौरान मेरी मुलाक़ात एक बहुत ही amazing lady से हुई, जो आगे चलकर मेरी wife बनीं. Pixar ने दुनिया की पहली computer animated movie, " Toy Story" बनायीं, और इस वक्त यह दुनिया का सबसे सफल animation studio है. Apple ने एक अप्रत्याशित कदम उठाते हुए NeXT को खरीद लिया और मैं Apple में वापस चला गया. आज Apple, NeXT द्वारा develop की गयी technology use करती है….अब Lorene और मेरा एक सुन्दर सा परिवार है. मैं बिलकुल surety के साथ कह सकता हूँ कि अगर मुझे Apple से नहीं निकाला गया होता तो मेरे साथ ये सब-कुछ नहीं होता. ये एक कड़वी दवा थी …पर शायद मरीज को इसकी ज़रूरत थी. कभी-कभी जिंदगी आपको इसी तरह ठोकर मारती है. अपना विश्वास मत खोइए. मैं यकीन के साथ कह सकता हूँ कि मैं सिर्फ इसलिए आगे बढ़ता गया क्योंकि मैं अपने काम से प्यार करता था…I loved my work.

आप really क्या करना पसंद करते हैं यह आपको जानना होगा, जितना अपने love को find करना ज़रूरी है, उतना ही उस काम को ढूँढना ज़रूरी जिसे आप सच-मुच enjoy करते हों आपका काम आपकी जिंदगी का एक बड़ा हिस्सा होगा, और truly-satisfied होने का एक ही तरीका है कि आप वो करें जिसे आप सच-मुच एक बड़ा काम समझते हों...और बड़ा काम करने का एक ही तरीका है कि आप वो करें जो करना आप enjoy करते हों. यदि आपको अभी तक वो काम नहीं मिला है तो आप रूकिये मत; उसे खोजते रहिये. जैसा कि दिल से जुडी हर चीज में होता है, वो जब आपको मिलेगा तब आपको पता चल जायेगा…और जैसा की किसी अच्छी relationship में होता है वो समय के साथ-साथ और अच्छा होता जायेगा ….इसलिए खोजते रहिये…रूकिये मत.

मेरी तीसरी कहानी death के बारे में है. जब मैं 17 साल का था तो मैंने एक quote पढ़ा, जो कुछ इस तरह था, " यदि आप हर रोज ऐसे जियें जैसे कि ये आपकी जिंदगी का आखीरी दिन है, तो आप किसी न किसी दिन सही साबित हो जायेंगे." इसने मेरे दिमाग पे एक impression बना दी, और तबसे…पिछले 33 सालों से, मैंने हर सुबह उठ कर शीशे में देखा है और खुद से एक सवाल किया है, –

अगर ये मेरी जिंदगी का आखिरी दिन होता तो क्या मैं आज वो करता जो मैं करने वाला हूँ?

और जब भी लगातार कई दिनों तक जवाब "नहीं" होता है, मैं समझ जाता हूँ कि कुछ बदलने की ज़रूरत है. इस बात को याद रखना कि मैं बहत जल्द मर जाऊँगा मुझे अपनी life के बड़े decisions लेने में सबसे ज्यादा मददगार होता है, क्योंकि जब एक बार death के बारे में सोचता हूँ तब सारी expectations, सारा pride, fail होने का डर सब कुछ गायब हो जाता है और सिर्फ वही बचता है जो वाकई ज़रूरी है. इस बात को याद करना कि एक दिन मरना है…किसी चीज को खोने के डर को दूर करने का सबसे अच्छा तरीका है. आप पहले से ही नंगे हैं. ऐसा कोई reason नहीं है कि आप अपने दिल की ना सुनें.

करीब एक साल पहले पता चला कि मुझे cancer है . सुबह 7:30 बजे मेरा scan हुआ, जिसमे साफ़-साफ़ दिख रहा था कि मेरे pancreas में tumor है. मुझे तो पता भी नहीं था की pancreas क्या होता है. Doctor ने लगभग यकीन के साथ बताया कि मुझे एक ऐसा cancer है जिसका इलाज़ संभव नहीं है, और अब मैं बस 3 से 6 महीने का मेहमान हूँ. Doctor ने सलाह दी कि मैं घर जाऊं और अपनी सारी चीजें व्यवस्थित कर लूं, जिसका indirect मतलब होता है कि, "आप मरने की तैयारी कर लीजिए." इसका मतलब कि आप कोशिश करिये कि आप अपने बच्चों से जो बातें अगले दस साल में करते, वो अगले कुछ ही महीनों में कर लीजिए. इसका ये मतलब होता है कि आप सब-कुछ सुव्यवस्थित कर लीजिए की आपके बाद आपकी family को कम से कम परेशानी हो. इसका ये मतलब होता है कि आप सबको गुड-बाय कर दीजिए.

मैंने इस diagnosis के साथ पूरा दिन बिता दिया फिर शाम को मेरी biopsy हुई जहाँ मेरे मेरे गले के रास्ते, पेट से होते हुए मेरी intestine में एक endoscope डाला गया और एक सुई से tumor से कुछ cells निकाले गए. मैं तो बेहोश था, पर मेरी wife, जो वहाँ मौजूद थी उसने बताया कि जब doctor ने microscope से मेरे cells देखे तो वह रो पड़ा…दरअसल cells देखकर doctor समझ गया कि मुझे एक बहुत ही दुर्लभ प्रकार का pancreatic cancer है जो surgery से ठीक हो सकता है. मेरी surgery हुई और सौभाग्य से अब मैं ठीक हूँ.

मौत के इतना करीब मैं इससे पहले कभी नहीं पहुंचा, और उम्मीद करता हूँ कि अगले कुछ दशकों तक पहुँचूं भी नहीं. ये सब देखने के बाद मैं ओर भी विश्वास के साथ कह सकता हूँ कि death एक useful but intellectual concept है. कोई मरना नहीं चाहता है, यहाँ तक कि जो लोग स्वर्ग जाना चाहते हैं वो भी…फिर भी मौत वो मंजिल है जिसे हम सब share करते हैं. आज तक इससे कोई बचा नहीं है. और ऐसा ही होना चाहिए क्योंकि शायद मौत ही इस जिंदगी का सबसे बड़ा आविष्कार है. ये जिंदगी को बदलती है, पुराने को हटा कर नए का रास्ता खोलती है. और इस समय नए आप हैं. पर ज्यादा नहीं; कुछ ही दिनों में आप भी पुराने हो जायेंगे और रस्ते से साफ़ हो जायेंगे.

इतना dramatic होने के लिए माफ़ी चाहता हूँ पर ये सच है. आपका समय सीमित है, इसलिए इसे किसी और की जिंदगी जी कर व्यर्थ मत कीजिये. बेकार की सोच में मत फंसिए, अपनी जिंदगी को दूसरों के हिसाब से मत चलाइए. औरों के विचारों के शोर में अपनी अंदर की आवाज़ को, अपने intuition को डूबने मत दीजिए. वे पहले से ही जानते हैं कि तुम सच में क्या बनना चाहते हो. बाकि सब गौण है.

जब मैं छोटा था तब एक अद्भुत publication, "The Whole Earth Catalogue" हुआ करता था, जो मेरी generations की bibles में से एक था. इसे Stuart Brand नाम के एक व्यक्ति, जो यहाँ MelonPark से

ज्यादा दूर नहीं रहता था, ने इसे अपना poetic touch दे के बड़ा ही जीवंत बना दिया था. ये साठ के दशक की बात है, जब computer और desktop publishing नहीं हुआ करती थीं. पूरा catalogue ..typewriters, scissors और Polaroid cameras की मदद से बनाया जाता था. वो कुछ-कुछ ऐसा था मानो Google को एक book के form में कर दिया गया हो....वो भी गूगल के आने के 35 साल पहले. वह एक आदर्श था, अच्छे tools और महान विचारों से भरा हुआ था.

Stuart और उनकी team ने "The Whole Earth Catalogue"के कई issues निकाले और अंत में एक final issue निकाला. ये सत्तर के दशक का मध्य था और तब मैं आपके जितना था. Final issue के back cover पे प्रातः काल का किसी गाँव की सड़क का दृश्य था...वो कुछ ऐसी सड़क थी जिसपे यदि आप adventurous हों तो किसी से lift माँगना चाहेंगे. और उस picture के नीचे लिखा था, "Stay Hungry, Stay Foolish". ये उनका farewell message था जब उन्होंने sign-off किया, "Stay Hungry, Stay Foolish" और मैंने अपने लिए हमेशा यही wish किया है, और अब जब आप लोग यहाँ से graduate हो रहे हैं तो मैं आपके लिए भी यही wish करता हूँ, stay hungry, stay foolish. Thank you all very much."

READ MORE HINDI MOTIVATIONAL BOOKS HERE

सुभाष चन्द्र बोस का ऐतिहासिक भाषण

आज Hindipdfbook.Comपर मैं आपके साथ Netaji Subhash Chandra Bose द्वारा, 4 July, 1944 को बर्मा में भारतीयों के समक्ष दिए गए विश्व प्रसिद्द भाषण”Give me blood and I shall give you freedom!”, “तुम मुझे खून दो मैं तुम्हे आज़ादी दूंगा !” HINDI में share कर रहा हूँ.ये वही SPEECH है जिसने आज़ादी की लड़ाई में भाग ले रहे करोड़ों लोगों के अन्दर एक नया जोश फूँक दिया था.

Give me blood and I shall give you freedom!

तुम मुझे खून दो मैं तुम्हे आज़ादी दूंगा !

मित्रों ! बारह महीने पहले “ पूर्ण संग्रहण ”(total mobilization) या “परम बलिदान ”(maximum sacrifice) का एक नया कार्यक्रम पूर्वी एशिया में मौजूद भारतीयों के समक्ष रखा गया था. आज मैं आपको पिछले वर्ष की उपलब्धियों का लेखा -जोखा दूंगा और आपके सामने आने वाले वर्ष के लिए हमारी मांगें रखूँगा. लेकिन ये बताने से पहले, मैं चाहता हूँ कि आप इस बात को समझें कि एक बार फिर हमारे सामने स्वतंत्रता हांसिल करने का स्वर्णिम अवसर है.अंग्रेज एक विश्वव्यापी संघर्ष में लगे हुए हैं और इस संघर्ष के दौरान उन्हें कई मोर्चों पर बार बार हार का सामना करना पड़ा है. इस प्रकार दुश्मन बहुत हद्द तक कमजोर हो गया है, स्वतंत्रता के लिए हमारी लड़ाई आज से पांच साल पहले की तुलना में काफी आसान हो गयी है. इश्वर द्वारा दिया गया ऐसा दुर्लभ अवसर सदी में एक बार आता है.इसीलिए हमने प्रण लिया है की हम इस अवसर का पूर्ण उपयोग अपनी मात्र भूमि को अंग्रेजी दासता से मुक्त करने के लिए करेंगे.

मैं हमारे इस संघर्ष के परिणाम को लेकर बिलकुल आशवस्थ हूँ, क्योंकि मैं सिर्फ पूर्वी एशिया में मौजूद 30 लाख भारतीयों के प्रयत्नों पर निर्भर नहीं हूँ. भारत के अन्दर भी एक विशाल आन्दोलन चल रहा है और हमारे करोडो देशवासी स्वतंत्रता पाने के लिए कष्ट सहने और बलिदान देने को तैयार हैं.

दुर्भाग्यवश 1857 के महासंग्राम के बाद से हमारे देशवासी अस्त्रहीन हैं और दुश्मन पूरी तरह सशस्त्र है. बिना हथियारों और आधुनिक सेना के, ये असंभव है कि इस आधुनिक युग में निहत्थे आज्ज़दी की लड़ाई जीती जा सके. ईश्वर की कृपा और जापानियों की मदद से पूर्वी एशिया में मौजूद भारतीयों के लिए हथियार प्राप्त करके आधुनिक सेना कड़ी करना संभव हो गया है. इसके अलावा पूर्वी एशिया में सभी भारतीय उस व्यक्ति से जुड़े हुए हैं जो स्वतंत्रता के लिए संघर्ष कर रहा है, अंग्रेजों द्वारा भारत मिएँ पैदा किये गए सभी धार्मिक एवं अन्य मतभेद यहाँ मौजूद नहीं हैं. नतीजतन, अब हमारे संघर्ष की सफलता के लिए परिस्थितियां आदर्श हैं – और अब बस इस बात की आवश्यकता है कि भारतीय आज़ादी की कीमत चुकाने के लिए खुद सामने आएं.

पूर्ण संग्रहण कार्यक्रम के अंतर्गत मैंने आपसे मेन, मनी, मेटेरियल (लोगों, धन, सामग्री)की मांग की थी. जहाँ तक लोगों का सवाल है मुझे ये बताते हुए ख़ुशी हो रही है की मैंने पहले से ही पर्याप्त लोग भारती कर लिए हैं.भरती हुए लोग पूर्वी एशिया के सभी कोनो से हैं – चाईना, जापान, इंडिया -चाईना, फिलीपींस, जावा, बोर्नो, सेलेबस, सुमात्रा, , मलय, थाईलैंड और बर्मा.

आपको मेन, मनी, मटेरिअल, की आपूर्ती पूरे जोश और उर्जा के साथ जारी रखना होगा, विशेष रूप से संचय और परिवहन की समस्या को हल किया जाना चाहिए.

हमें मुक्त हुए क्षेत्रों के प्रशाशन और पुनर्निर्माण हेतु हर वर्ग के पुरूषों और महिलाओं की आवश्यकता है.हमें ऐसी स्थिति के लिए तैयार रहना होगा जिसमे दुश्मन किसी इलाके को खाली करते समय इस्कोर्चड अर्थ पालिसी का प्रयोग कर सकता है और आम नागरिकों को भी जगह खाली करने के लिए मजबूर कर सकता है, जैसा की बर्मा में हुआ था.

सबसे महत्त्वपूर्ण समस्या मोर्चों पर लड़ रहे सैनिकों को अतरिक्त सैन्य बल और सामग्री पहुंचाने की है.अगर हम ऐसा नहीं करते हैं तो हम लड़ाई के मोर्चों पर अपनी सफलता बनाए रखने की उम्मीद नहीं कर सकते. और ना ही भारत के अन्दर गहरी पैठ करने की उम्मीद कर सकते हैं.

आपमें से जो लोग इस घरेलु मोर्चे पर काम करना जारी रखेंगे उन्हें ये कभी नहीं भूलना चाहिए की पूर्वी एशिया – विशेष रूप से बर्मा – आज़ादी की लड़ाई के लिए हमारे आधार हैं. अगर ये आधार मजबूत नहीं रहेगा तो हमारी

सेना कभी विजयी नहीं हो पायेगी. याद रखिये ये ‘‘पूर्ण युद्ध है ’’- और सिर्फ दो सेनाओं के बीच की लड़ाई नहीं. यही वज़ह है की पूरे एक साल से मैं पूर्व में पूर्ण संग्रहण के लिए जोर लगा रहा हूँ.

एक और वजह है कि क्यों मैं आपको घरेलु मोर्चे पर सजग रहने के लिए कह रहा हूँ. आने वाले महीनो में मैं और युद्ध समिति के मेरे सहयोगी चाहते हैं की अपना सारा ध्यान लड़ाई के मोर्चों और भारत के अन्दर क्रांति लेन के काम पर लगाएं. इसीलिए, हम पूरी तरह आस्वस्थ होना चाहते हैं कि हमारी अनुपस्थिति में भी यहाँ का काम बिना बाधा के सुचारू रूप से चलता रहेगा.

मित्रों, एक साल पहले जब मैंने आपसे कुछ मांगें की थी, तब मैंने कहा था की अगर आप मुझे पूर्ण संग्रहण देंगे तो मैं आपको ‘दूसरा मोर्चा’ दूंगा. मैंने उस वचन को निभाया है. हमारे अभियान का पहला चरण ख़तम हो गया है. हमारे विजयी सैनिक जापानी सैनिकों के साथ कंधे से कन्धा मिला कर लड़ रहे हैं, उन्होंने दुश्मन को पीछे ढकेल दिया है और अब बहादुरी से अपनी मात्रभूमि की पावन धरती पर लड़ रहे हैं.

आगे जो काम है उसके लिए अपनी कमर कस लीजिये. मैंने मेन, मनी, मटेरिअल के लिए कहा था. मुझे वो पर्याप्त मात्र में मिल गए हैं. अब मुझे आप चाहियें. मेन, मनी मटेरिअल अपने आप में जीत या स्वतंत्रता नहीं दिला सकते. हमारे अन्दर प्रेरणा की शक्ति होनी चाहिए जो हमें वीरतापूर्ण और साहसिक कार्य करने के लिए प्रेरित करे.

सिर्फ ऐसी इच्छा रखना की अब भारत स्वतंत्र हो जायेगा क्योंकि विजय अब हमारी पहुंच में है एक घातक गलती होगी. किसी के अन्दर स्वतंत्रता का आनंद लेने के लिए जीने की इच्छा नहीं होनी चाहिए. हमारे सामने अभी भी एक लम्बी लड़ाई है.

आज हमारे अन्दर बस एक ही इच्छा होनी चाहिए- मरने की इच्छा ताकि भारत जी सके- एक शहीद की मृत्यु की इच्छा, ताकि स्वतंत्रता का पथ शहीदों के रक्त से प्रशस्त हो सके. मित्रों! स्वतंत्रता संग्राम में भाग ले रहे मेरे साथियों ! आज मैं किसी भी चीज से ज्यादा आपसे एक चीज की मांग करता हूँ. मैं आपसे आपके खून की मांग करता हूँ. केवल खून ही दुश्मन द्वारा बहाए गए खून का बदला ले सकता है. सिर्फ ओर सिर्फ खून ही ही आज़ादी की कीमत चुका सकता है.

तुम मुझे खून दो मैं तुम्हे आज़ादी दूंगा !

READ MORE HINDI MOTIVATIONAL BOOKS HERE

Swami Vivekanada Chicago Speech in Hindi

अमेरिकी बहनों और भाइयों,

आपके इस स्नेहपूर्ण और जोरदार स्वागत से मेरा हृदय आपार हर्ष से भर गया है। मैं आपको दुनिया के सबसे पौराणिक भिक्षुओं की तरफ से धन्यवाद् देता हूँ। मैं आपको सभी धर्मों की जननी कि तरफ से धन्यवाद् देता हूँ, और मैं आपको सभी जाति-संप्रदाय के लाखों-करोड़ों हिन्दुओं की तरफ से धन्यवाद् देता हूँ। मेरा धन्यवाद् उन वक्ताओं को भी जिन्होंने ने इस मंच से यह कहा कि दुनिया में शहनशीलता का विचार सुदूर पूरब के देशों से फैला है।

मुझे गर्व है कि मैं एक ऐसे धर्म से हूँ जिसने दुनिया को शहनशीलता और सार्वभौमिक स्वीकृति (universal acceptance) का पाठ पढाया है।हम सिर्फ सार्वभौमिक शहनशीलता में ही विश्वास नहीं रखते बल्कि हम विश्व के सभी धर्मों को सत्य के रूप में स्वीकार करते हैं।

मुझे गर्व है कि मैं एक ऐसे देश से हूँ जिसने इस धरती के सभी देशों के सताए गए लोगों को शरण दी है। मुझे यह बताते हुए गर्व हो रहा है कि हमने अपने हृदय में उन इस्राइलियों के शुद्धतम स्मृतियाँ बचा कर रखीं हैं, जिनके मंदिरों को रोमनों ने तोड़-तोड़ कर खँडहर बना दिया, और तब उन्होंने दक्षिण भारत में शरण ली। मुझे इस बात का गर्व है कि मैं एक ऐसे धर्म से हूँ जिसने महान पारसी देश के अवशेषों को शरण दी और अभी भी उन्हें बढ़ावा दे रहा है।

भाइयों मैं आपको एक श्लोक की कुछ पंक्तियाँ सुनाना चाहूँगा जिसे मैंने बचपन से स्मरण किया और दोहराया है, और जो रोज करोड़ों लोगो द्वारा हर दिन दोहराया जाता है-

“जिस तरह से विभिन्न धाराओं कि उत्पत्ति विभिन्न स्रोतों से होती है उसी प्रकार मनुष्य अपनी इच्छा के अनुरूप अलग-अलग मार्ग चुनता है, वो देखने में भले सीधे या टेढ़े-मेढ़े लगें पर सभी भगवान तक ही जाते हैं।”

वर्तमान सम्मलेन, जो कि आज तक की सबसे पवित्र सभाओं में से है, स्वयं में गीता में बताये गए एक सिद्धांत का प्रमाण है, –

जो भी मुझ तक आता है; चाहे किसी भी रूप में, मैं उस तक पहुँचता हूँ, सभी मनुष्य विभिन्न मार्गों पे संघर्ष कर रहे हैं जिसका अंत मुझ में है।

सांप्रदायिकता, कट्टरता, और इसके भयानक वंशज, हठधर्मिता लम्बे समय से पृथ्वी को अपने शिकंजों में जकड़े हुए हैं। इन्होने पृथ्वी को हिंसा से भर दिया है, कितनी बार ही ये धरती खून से लाल हुई है, कितनी ही सभ्यताओं का विनाश हुआ है और कितने देश नष्ट हुए हैं।

अगर ये भयानक राक्षस नहीं होते तो आज मानव समाज कहीं ज्यादा उन्नत होता। लेकिन अब उनका समय पूरा हो चूका है, मुझे पूरी उम्मीद है कि आज इस सम्मेलन का शंखनाद सभी हठधर्मिता, हर तरह के क्लेश, चाहे वो तलवार से हों या कलम से, और हर एक मनुष्य, जो एक ही लक्ष्य की तरफ बढ़ रहे हैं; के बीच की दुर्भावनाओं का विनाश करेगा।

स्वामी विवेकानंद

Chicago, Sept 11, 1893

READ MORE HINDI MOTIVATIONAL BOOKS HERE

Tryst With Destiny Speech

जवाहरलाल नेहरु

हमने नियति को मिलने का एक वचन दिया था, और अब समय आ गया है कि हम अपने वचन को निभाएं, पूरी तरह ना सही, लेकिन बहुत हद्द तक। आज रात बारह बजे, जब सारी दुनिया सो रही होगी, भारत जीवन और स्वतंत्रता की नयी सुबह के साथ उठेगा। एक ऐसा क्षण जो इतिहास में बहुत ही कम आता है, जब हम पुराने को छोड़ नए की तरफ जाते हैं, जब एक युग का अंत होता है, और जब वर्षों से शोषित एक देश की आत्मा, अपनी बात कह सकती है। ये एक संयोग है कि इस पवित्र मौके पर हम समर्पण के साथ खुद को भारत और उसकी जनता की सेवा, और उससे भी बढ़कर सारी मानवता की सेवा करने के लिए प्रतिज्ञा ले रहे हैं।

इतिहास के आरम्भ के साथ ही भारत ने अपनी अंतहीन खोज प्रारंभ की, और ना जाने कितनी ही सदियाँ इसकी भव्य सफलताओं और असफलताओं से भरी हुई हैं। चाहे अच्छा वक़्त हो या बुरा, भारत ने कभी इस खोज से अपनी दृष्टि नहीं हटाई और कभी भी अपने उन आदर्शों को नहीं भूला जिसने इसे शक्ति दी।आज हम दुर्भाग्य के एक युग का अंत कर रहे हैं और भारत पुनः खुद को खोज पा रहा है।आज हम जिस उपलब्धि का उत्सव मना रहे हैं, वो महज एक कदम है, नए अवसरों के खुलने का, इससे भी बड़ी विजय और उपलब्धियां हमारी प्रतीक्षा कर रही हैं। क्या हममें इतनी शक्ति और बुद्धिमत्ता है कि हम इस अवसर को समझें और भविष्य की चुनौतियों को स्वीकार करें?

भविष्य में हमें विश्राम करना या चैन से नहीं बैठना है बल्कि निरंतर प्रयास करना है ताकि हम जो वचन बार-बार दोहराते रहे हैं और जिसे हम आज भी दोहराएंगे उसे पूरा कर सकें। भारत की सेवा का अर्थ है लाखों-करोड़ों पीड़ित लोगों की सेवा करना। इसका मतलब है गरीबी और अज्ञानता को मिटाना, बिमारियों और अवसर की असमानता को मिटाना।हमारी पीढ़ी के सबसे महान व्यक्ति की यही महत्वाकांक्षा रही है कि हर एक आँख से आंसू मिट जाएँ। शायद ये हमारे लिए संभव न हो पर जब तक लोगों कि आँखों में आंसू हैं और वे पीड़ित हैं तब तक हमारा काम ख़त्म नहीं होगा।

और इसलिए हमें परिश्रम करना होगा, और कठिन परिश्रम करना होगा ताकि हम अपने सपनो को साकार कर सकें। वो सपने भारत के लिए हैं, पर साथ ही वे पूरे विश्व के लिए भी हैं, आज कोई खुद को बिलकुल अलग नहीं सोच सकता क्योंकि सभी राष्ट्र और लोग एक दुसरे से बड़ी समीपता से जुड़े हुए हैं। शांति को अविभाज्य कहा गया है, इसी तरह से स्वतंत्रता भी अविभाज्य है, समृद्धि भी और विनाश भी, अब इस दुनिया को छोटे-छोटे हिस्सों में नहीं बांटा जा सकता है। हमें स्वतंत्र भारत का महान निर्माण करना हैं जहाँ उसके सारे बच्चे रह सकें।

आज नियत समय आ गया है, एक ऐसा दिन जिसे नियति ने तय किया था – और एक बार फिर वर्षों के संघर्ष के बाद, भारत जागृत और स्वतंत्र खड़ा है। कुछ हद्द तक अभी भी हमारा भूत हमसे चिपका हुआ है, और हम अक्सर जो वचन लेते रहे हैं उसे निभाने से पहले बहुत कुछ करना है। पर फिर भी निर्णायक बिंदु अतीत हो चुका है, और हमारे लिए एक नया इतिहास आरम्भ हो चुका है, एक ऐसा इतिहास जिसे हम गढ़ेंगे और जिसके बारे में और लोग लिखेंगे।

ये हमारे लिए एक सौभाग्य का क्षण है, एक नए तारे का उदय हुआ है, पूरब में स्वतंत्रता का सितारा।, एक नयी आशा का जन्म हुआ है, एक दूरदृष्टिता अस्तित्व में आई है। काश ये तारा कभी अस्त न हो और ये आशा कभी धूमिल न हो।! हम सदा इस स्वतंत्रता में आनंदित रहे।

भविष्य हमें बुला रहा है। हमें किधर जाना चाहिए और हमारे क्या प्रयास होने चाहिए, जिससे हम आम आदमी,किसानो और कामगारों के लिए स्वतंत्रता और अवसर ला सकें, हम गरीबी, अज्ञानता और बिमारियों से लड़ सकें, हम एक समृद्ध, लोकतान्त्रिक और प्रगतिशील देश का का निर्माण कर सकें, और हम ऐसी सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक संस्थाओं की स्थापना कर सकें जो हर एक आदमी-औरत के लिए जीवन की परिपूर्णता और न्याय सुनिश्चित कर सके?

हमे कठिन परिश्रम करना होगा। हम में से से कोई भी तब तक चैन से नहीं बैठ सकता है जब तक हम अपने वचन को पूरी तरह निभा नहीं देते, जब तक हम भारत के सभी लोगों को उस गंतव्य तक नहीं पहुंचा देते जहाँ भाग्य उन्हें पहुँचाना चाहता है।

हम सभी एक महान देश के नागरिक हैं, जो तीव्र विकास की कगार पे है, और हमें उस उच्च स्तर को पाना होगा। हम सभी चाहे जिस धर्म के हों, समानरूप से भारत माँ की संतान हैं, और हम सभी के बराबर अधिकार और दायित्व हैं। हम और संकीर्ण सोच को बढ़ावा नहीं दे सकते,क्योंकि कोई भी देशतब तक महान नहीं बन सकता जब तक उसके लोगों की सोच या कर्म संकीर्ण हैं।

विश्व के देशों और लोगों को शुभकामनाएं भेजिए और उनके साथ मिलकर शांति, स्वतंत्रता और लोकतंत्र को बढ़ावा देने की प्रतिज्ञा लीजिये। और हम अपनी प्यारी मात्रभूमि, प्राचीन, शाश्वत और निरंतर नवीन भारत को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं और एकजुट होकर नए सिरे से इसकी सेवा करते हैं।

जय हिंद!

READ MORE HINDI MOTIVATIONAL BOOKS HERE